卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां, नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 96 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦11 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

कोई भी शक्ति हमारी सांस्कृतिक चेतना को नष्ट नहीं कर सकती: मोदी

108 अश्वों की शौर्य यात्रा और महादेव के दुग्धाभिषेक के साथ 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भव्य आगाज

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात के प्रभास पाटन स्थित सोमनाथ मंदिर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में सम्मिलित हुए। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री ने भगवान शिव का विधिवत दुग्धाभिषेक किया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सोमनाथ का इतिहास पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का जीवंत प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इतिहास के क्रूर कालखंड का जिक्र करते हुए कहा कि गजनी से लेकर औरंगजेब तक तमाम आक्रांताओं ने सोमनाथ पर हमले किए। उन्हें लगा था कि उनकी तलवारें सनातन संस्कृति को जीत लेंगी, लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे, उसके नाम में ही 'सोम' अर्थात् अमृत जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि आक्रांता इतिहास के चंद पन्नों में दफन हो गए, लेकिन चिर-पुरातन सोमनाथ आज भी सागर के तट पर पूरी भव्यता के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ के पवित्र विग्रह को तोड़ा गया और इसके वास्तविक इतिहास को लंबे समय तक छिपाने का प्रयास किया गया। जिस मजहबी उन्माद को महज एक साधारण लूट बताकर पेश किया गया, वह वास्तव में भारत की सांस्कृतिक चेतना पर प्रहार था। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने आजादी के बाद की राजनीति पर भी तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों और तुष्टिकरण के ठेकेदारों ने इन पवित्र स्थलों के गौरव को भुलाने की (शेष पृष्ठ सात पर)

किसान ने होटल में खुद को गोली से उड़ाया

करोड़ों की ठगी से था परेशान,सोशल मीडिया पर वीडियो जारी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। काशीपुर के पैगा निवासी किसान सुखवंत सिंह ने गौलापार स्थित एक होटल में खुद को गोली मारकर आत्म हत्याक र ली। घटना देर रात करीब ढाई बजे की है, जिससे होटल परिसर में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि सुखवंत सिंह जमीन के सौदे में हुई करोड़ों की धोखाधड़ी के कारण गहरे मानसिक तनाव में था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, काशीपुर निवासी किसान सुखवंत सिंह अपनी पत्नी प्रदीप कौर और 12 वर्षीय बच्चे के साथ नैनीताल घूमने आया था। वापसी के दौरान वह गौलापार के देवभूमि होटल में रुका हुआ था। सुखवंत पर पूर्व में धोखाधड़ी के करीब पांच मुकदमे दर्ज थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि होटल के कमरे में वह पैसों के पुराने लेनदेन को लेकर काफी विचलित था। तनाव के चरम पर पहुंचने के बाद उसने अपनी पत्नी और बच्चे के सामने ही असलहा निकाल लिया। पत्नी और बच्चे ने उसे रोकने के लिए काफी संघर्ष किया और हथियार छीनने का प्रयास किया, जिसमें दोनों को मामूली खरोंचें भी आईं। जब सुखवंत शांत नहीं हुआ, तो उसकी पत्नी और बच्चा मदद मांगने के लिए नीचे होटल के स्वागत कक्ष की ओर भागे। जैसे ही उन्होंने होटल कर्मियों को आपबीती सुनाई, तभी ऊपर कमरे से गोली चलने की आवाज आई। सुखवंत ने अपने सिर के दाहिनी ओर सटाकर गोली मार ली थी, जो सिर के बाईं ओर से पार निकल गई। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सैनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सुखवंत की मौत हो चुकी थी। आत्म हत्या से पूर्व सुखवंत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसने पूरे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। वीडियो में सुखवंत ने काशीपुर के एक गिरोह पर जमीन के नाम पर करीब 4 करोड़ रुपये की ठगी करने का सीधा आरोप लगाया है। (शेष पृष्ठ सात पर)

लाखों की अफीम के साथ तस्कर दबोचा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी एक युवक को एक किलो से अधिक अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी कब्जे में लिया है। शनिवार को चौकी आदर्श कॉलोनी के उपनिरीक्षक जीवन सिंह अधिकारी पुलिस बल के साथ प्रीत विहार नंबर 2 को जाने वाली बारादरी रोड तिराहे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) के हेड कांस्टेबल भुवन पांडे और कांस्टेबल विनोद खत्री भी सुरागकशी करते हुए वहां पहुँच गए। चेकिंग के दौरान शाम लगभग पौने छह बजे एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार आता दिखाई दिया, जो पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर मोटरसाइकिल नंबर यूपी25ईबी 7986 को रोक लिया। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम विनीत आर्या पुत्र रमेश आर्या, निवासी ग्राम अंजनी, तहसील आंवला, जिला (शेष पृष्ठ सात पर)

जनप्रतिनिधि के पुत्र और उसके साथियों का तांडव

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र में बीती रात रसूख के नशे में चूर एक जनप्रतिनिधि के पुत्र और उसके साथियों द्वारा तांडव मचाने का मामला प्रकाश में आया है। गदरपुर के एक कद्दावर जनप्रतिनिधि के पुत्र ने करीब एक दर्जन साथियों के साथ मिलकर दिनेशपुर निवासी एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना धौलपुर स्थित एक प्रतिष्ठित होटल के पास की है।

युवक को बेरहमी से पीटा, गंभीर हालत में घायल हल्द्वानी रेफर

बताया जा रहा है कि गदरपुर के जनप्रतिनिधि के पुत्र और दिनेशपुर के निकटवर्ती ग्राम निवासी युवक के बीच किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ा कि जनप्रतिनिधि के पुत्र ने अपने दर्जनों साथियों को बुला लिया और युवक को घेरकर बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। हमले के दौरान युवक के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली, लेकिन रसूखदारों का नाम शामिल होने के कारण क्षेत्र में चर्चाओं (शेष पृष्ठ सात पर)

अंकिता भंडारी हत्याकांड: 'उत्तराखंड बंद' का मिला-जुला असर

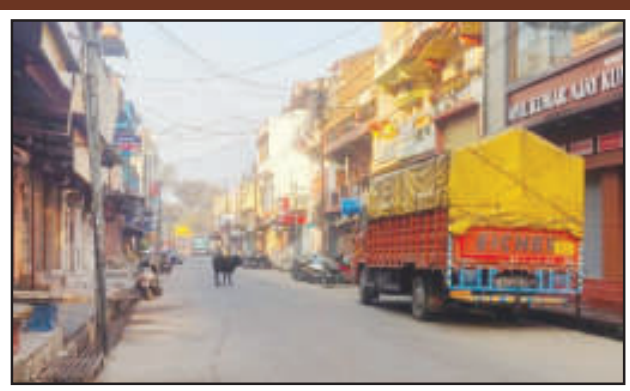

श्रीनगर और टिहरी में बाजार पूरी तरह बंद,ऋषिकेश में व्यापारियों ने किया विरोध

देहरादून/श्रीनगर/हल्द्वानी। अंकिता भंडारी हत्याकांड की सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में सीबीआई जांच और मामले में संलिप्त 'वीआईपी' के नाम के खुलासे की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा आहूत 'उत्तराखंड बंद' का मिला-जुला असर देखने को मिला। कहीं दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, तो कहीं व्यापारिक संगठनों ने बंद के आह्वान का विरोध करते हुए प्रतिष्ठान खुले रखे। कुमांऊ में बंद का कोई खास असर नहीं दिखा। हल्द्वानी में बंद समर्थकों ने बाजार में घूमकर व्यापारियों से दुकानें बंद रखने की अपील की। इस दौरान कई स्थानों पर दुकानों बंद रही जबकि कई व्यापारियों ने दुकानें खुली रखी। बंद का यहां मिला जुला असर दिखा। अंकिता के गृह क्षेत्र श्रीनगर गढ़वाल और श्रीकोट में बंद का व्यापक असर दिखाई दिया। सुबह से ही गणेश बाजार, वीर चंद्र सिंह (शेष पृष्ठ 7 पर)

अधिकांश हिस्सों में बंद रहा बेअसर

देहरादून। अंकिता हत्याकांड के विरोध में विभिन्न संगठनों द्वारा दिया गया उत्तराखंड बंद का आह्वान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बेअसर साबित हुआ। राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के मैदानी जिलों में जनजीवन पूरी तरह सामान्य रहा और व्यापारिक प्रतिष्ठान रोज की तरह खुले नजर आए। बंद का असर केवल गढ़वाल के कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में ही सीमित दिखाई दिया, जबकि मैदानी (शेष पृष्ठ सात पर)

न्याय के लिए गांधी पार्क में उपवास पर बैठे सैकड़ों लोग

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ईदगाह बचाओ संघर्ष समिति द्वारा गांधी पार्क में आयोजित सत्याग्रह उपवास कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों, सामाजिक संगठनों व राजनैतिक दलों से जुड़े सैकड़ों लोगों की। जिसमें सभी वक्ताओं ने एक स्वर से अंकिता हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इस घटना में शामिल सभी लोगों को कड़ी सजा दिलाने की प्रदेश सरकार से मांग की। कार्यक्रम के दौरान अनेक वक्ताओं ने शासन प्रशासन व नगर निगम से अधिकृत की गई खेड़ा ईदगाह भूमि को वापस मुस्लिम समाज को सौंपने की भी पुरजोर मांग की। इससे पूर्व कार्यक्रम का प्रारम्भ मौजूद सैकड़ों लोगों ने अंकिता भंड़ारी को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देकर किया। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड को लम्बा समय बीत जाने के बाद भी कई आरोपी आज भी बेखौफ बाहर घूम रहे हैं। इस मामले में सोशल मीडिया में भी कुछ नाम सामने आये। लेकिन उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंकिता के माता पिता लगातार सरकार से न्याय की गुहार लगाकर दोषियों को सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। अब मुख्यमंत्री ने मामले की सीबीआई जांच कराने की स्वीकार की है जो स्वागत योग्य है। अनेक वक्ताओं ने खेड़ा में ईदगाह की करीब (शेष पृष्ठ सात पर)

मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ कांग्रेसियों ने दिया धरना

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में आज कांग्रेसियों ने महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी के नेतृत्व में अम्बेडकर पार्क में धरना दिया और केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। ममता रानी ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने देश में गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा योजना प्रारंभ की थी। जिसका लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिल रहा था। इस योजना के तहत 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित (शेष पृष्ठ सात पर)

केंद्रीय बजट: उत्तराखंड ने केंद्र के सामने रखीं विकास की प्राथमिकताएं

पर्वतीय राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर विशेष आर्थिक पैकेज और नई योजनाओं की मांग

नई दिल्ली/देहरादून (उद संवाददाता)। केंद्रीय बजट 2026-27 के निर्माण को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ प्री-बजट परामर्श बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में उत्तराखंड की ओर से राज्य की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों, पारिस्थितिक संवेदनशीलता और राष्ट्र को दी जा रही इको-सिस्टम सेवाओं के आधार पर एक विस्तृत मांग पत्र प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा नामित प्रतिनिधि के रूप में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बैठक में उत्तराखंड का पक्ष मजबूती से रखा। बैठक के दौरान उत्तराखंड ने पर्वतीय एवं सीमांत क्षेत्रों के संतुलित विकास, रिवर्स पलायन को प्रोत्साहन और राज्य को जलवायु परिवर्तन के खतरों से सुरक्षित बनाने (क्लाइमेट रेजिलिएंट) से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों से राज्यों को केंद्रीय करों में उनका अंश समय पर मिल रहा है, जिससे विकास कार्यों में गति आई है। विशेष रूप से पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को दी जाने वाली विशेष सहायता योजना उत्तराखंड के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है। रेलवे सर्किट और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर जोर उत्तराखंड ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे नेटवर्क को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बागेश्वर-कर्णप्रयाग और रामनगर-कर्णप्रयाग रेललाइन के सर्वेक्षण की मांग की है, ताकि टनकपुर-बागेश्वर-कर्णप्रयाग-रामनगर रेलवे सर्किट विकसित हो सके। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की तर्ज पर जल जीवन मिशन के रखरखाव को भी केंद्र पोषित योजना में शामिल करने और शहरी क्षेत्रों के लिए जल जीवन मिशन (शहरी) हेतु बजट में विशेष प्रावधान करने का अनुरोध किया गया है। वन्यजीव संघर्ष और कृषि सुरक्षा के लिए विशेष अनुदान की मांग पर्वतीय क्षेत्रों में नीलगाय, जंगली सुअर, भालू और बंदरों द्वारा फसलों को पहुंचाए जा रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य ने कृषि सुरक्षा के लिए क्लस्टर आधारित तारबंदी हेतु नई योजना या अनुदान की मांग की है। साथ ही, भू-जल स्तर में गिरावट को रोकने के लिए राज्य द्वारा चलाए जा रहे 'सर्रा' जैसे प्रयासों को प्रोत्साहन देने के लिए भी केंद्र से वित्तीय मदद मांगी गई है। सामाजिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर सुझाव राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाते हुए 60 से 79 वर्ष की आयु वर्ग के लिए वृद्धावस्था पेंशन में केंद्रीय अंश को 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये करने और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि का सुझाव दिया है। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तराखंड ने मांग की है कि विशेष श्रेणी वाले राज्यों में आपदा से हुई क्षति के पुनर्निर्माण का पूरा खर्च राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से वहन करने का प्रावधान किया जाए। इसके अतिरिक्त, आगामी कुंभ मेले की तैयारियों के लिए बुनियादी ढांचे और रखरखाव हेतु विशेष वित्तीय सहायता की अपील की गई है। विकसित भारत में उत्तराखंड की भूमिका महत्वपूर्ण: पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देश का 'वॉटर टावर' है और राष्ट्र को अमूल्य पर्यावरणीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी केंद्रीय बजट उत्तराखंड की विकास यात्रा को और सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के सहयोग से राज्य को क्लाइमेट रेजिलिएंट बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुविधाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में उत्तराखंड अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेगा।

वीआईपी के रहस्य की जांच करेगी सीबीआई

पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी की तहरीर पर पुलिस ने की प्राथमिकी दर्ज

देहरादून। अंकिता भंडारी मामले में अब सीबीआई वीआईपी के रहस्य की जांच करेगी। आईजी गढ़वाल ने कहा कि शासन ने प्रकरण से संबंधित फाइल सीबीआई को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस हत्याकांड की जांच शुरुआत से ही पूरी गहनता और जिम्मेदारी के साथ कर चुकी है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी की संलिप्तता के रहस्य और सबूत मिटाने के आरोपों की जांच अब सीबीआई करेगी। वीआईपी विवाद की जांच के लिए पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी की तहरीर पर पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली और प्रकरण से संबंधित सभी दस्तावेज गढ़वाल परिक्षेत्रीय कार्यालय की ओर से पुलिस मुख्यालय भेज दिए गए हैं। अब, यह फाइल शासन स्तर से सीबीआई को भेजी जाएगी।यह जानकारी पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजीव स्वरूप ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि

मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासन ने प्रकरण से संबंधित फाइल सीबीआई को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस हत्याकांड की जांच शुरुआत से ही पूरी गहनता और जिम्मेदारी के साथ कर चुकी है जिसमें वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी (आईपीएस) के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने मामले में ठोस साक्ष्य जुटाए और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा। ठोस जांच की वजह से तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है और उन्हें एक दिन के लिए भी जमानत नहीं मिली। प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री ने स्वयं अंकिता के माता-पिता से बात की। सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह इस मामले में किसी भी स्तर पर कुछ भी छिपाना नहीं चाहती, इसीलिए जांच अब केंद्रीय एजेंसी के सुपुर्द की जा रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि सोशल मीडिया की अफवाहों पर यकीन न करें और यदि किसी के पास कोई गुप्त साक्ष्य है तो वह सीधे जांच एजेंसी को सौंपे। पुलिस ने डॉ. जोशी की तहरीर पर बसंत विहार थाने में शुक्रवार देर रात जो प्राथमिकी दर्ज की उसमें मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर फोकस है। एक उन अज्ञात की जांच, जिन्हें वीआईपी कहा जा रहा है। दूसरा, साक्ष्य छिपाने या नष्ट करने के आरोप। उन्होंने महानिदेशक को शिकायत में कहा है भले अंकिता हत्याकांड में संलिप्त अपराधियों को सजा हो चुकी है फिर भी सोशल मीडिया आदि प्लेटफॉर्म से ऐसा कहा जा रहा है कि प्रकरण में कथित तौर पर साक्ष्यों को छिपाया अथवा नष्ट किया गया है। अत: वीआईपी कहे जा रहे व्यक्ति या व्यक्तियों से संबंधित स्वतंत्र अपराध की जांच पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। इसके तथ्यों को उजागर करने के लिए एक पृथक व निष्पक्ष जांच करवाई जाए।

दहशत फैला रहा युवक अवैध हथियार सहित साथ गिरफ्तार

हाथ में चाकू लेकर लोगों को धमकाया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भूरारानी क्षेत्र में अवैध हथियार के साथ घूमकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक प्रतिबंधित फोल्डिंग रमपुरिया चाकू बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। शनिवार शाम उपनिरीक्षक प्रियांशु जोशी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था और संदिग्धों की चेकिंग हेतु गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि आरएएन स्कूल वाली सड़क पर एक युवक हाथ में चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस की गाड़ी स्कूल मार्ग पर पहुँची, हेडलाइट की रोशनी में एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही युवक सकपका गया और भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे महज कुछ दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर युवक की जैकेट की जेब से एक बड़ा फोल्डिंग रमपुरिया चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुरदीप भाटिया पुत्र केशव भाटिया, निवासी भूरारानी वार्ड नंबर 32 बताया। आरोपी ने कबूला कि उसने यह चाकू करीब डेढ़ साल पहले रामपुर से खरीदा था और वह इसे हमेशा अपने पास रखता है। बरामद चाकू की कुल लंबाई 31.5 सेंटीमीटर पाई गई, जो सरकार द्वारा प्रतिबंधित श्रेणी में आता है। आरोपी चाकू रखने का कोई लाइसेंस पेश नहीं कर सका। पुलिस ने चाकू को कब्जे में लेकर सील कर दिया है और आरोपी को हिरासत में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभव:-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

भाई की मौत के बाद भाभी ने परिवार को घर से निकाला

कोर्ट के आदेश पर ट्रांजिट कैंप पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जानलेवा हमले और मारपीट का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत पारिवारिक संपत्ति पर कब्जे और मारपीट का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्रार्थी के बार-बार पुलिस के पास चक्कर लगाने

और सुनवाई न होने पर अंतत: न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने आरोपी भाभी और उनके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।शिवनगर निवासी भारत सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पिता मंगल सिंह को वर्ष 1987 में नजूल कार्यालय से एक पट्टा आवंटित हुआ था, जिस पर उन्होंने मकान बनवाया था। वर्ष 1994 में पिता की मृत्यु के बाद भारत सिंह और उनके भाई जसवंत का परिवार इसी मकान में साथ रहते थे। वर्ष 2020 में भाई जसवंत की मृत्यु हो गई, जिसके बाद मकान के आधे हिस्से में भारत सिंह का परिवार और आधे में उनकी भाभी संजू सिंह अपने बच्चों के साथ रहने लगीं।दवा लेने गई पत्नी के पीछे गेट पर जड़ा ताला भारत सिंह का आरोप है कि 21 सितंबर 2025 को जब उनकी पत्नी बच्चों को दवा दिलाने गई थीं और घर पर कोई नहीं था, तभी भाभी संजू सिंह और उनके पुत्र आशीष ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। जब भारत सिंह वापस आए और उन्होंने गेट खोलने को कहा, तो संजू सिंह, उनका बेटा और बेटियां लाठी-डंडे और लोहे का पाइप लेकर बाहर निकल आए। आरोपियों ने उन्हें घर में घुसने पर जान से मारने की धमकी दी और अभद्र गालियां दीं।गला दबाकर हत्या का प्रयास और लूटपाट पीड़ित ने बताया कि 27 सितंबर 2025 को आरोपियों ने उनके कमरे का ताला तोड़कर सामान चोरी करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने भारत सिंह को जमीन पर गिरा दिया और उनका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। परिजनों के शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गए। इस घटना से पीड़ित की बेटी गहरे सदमे में चली गई, जिसका अस्पताल में उपचार कराया गया।पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने ट्रांजिट कैंप थाना और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत भेजी थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। हारकर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। अब कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी धाराओं में मामला पंजीकृत कर लिया है।

राजा जी टाइगर रिजर्व में किसने दी मजारें बनाने की इजाजत?

पर्यटकों को पैदल चलने की अनुमति नहीं बन रही है अवैध मजारे

हरिद्वार(उद संवाददाता)। यदि किसी विभाग ने उत्तराखंड में अपनी भूमि पर अवैध कब्जे होने दिए तो उसमें सबसे ऊपर नाम आता है वन विभाग का, सरकारी वन भूमि यहां तक कि रिजर्व फॉरेस्ट, वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और टाइगर रिजर्व में भी अवैध मजारे बनती चली गई और घुसपैठियों ने जंगल की भूमि कब्जा ली।पिछले कुछ महीनों से उत्तराखंड की धामी सरकार ने सरकारी भूमि से अवैध मजारें हटाने और अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया हुआ है। इस अभियान के दौरान पहले कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अवैध मजारों के होने का सच सामने आया जिसके बाद धामी सरकार के बुलडोजरों ने उनकी सफाई की।राज्य में ऐसी 573 अवैध मजारों को सरकार ने ध्वस्त किया जिनमें कोई मानवीय अवशेष नहीं मिले।उत्तराखंड के दूसरे बड़े टाइगर

रिजर्व राजा जी पार्क में भी अवैध मजारे है जिन्हें अभी तक हटाया नहीं गया है।खबर है कि यहां एक दो नहीं कई अवैध मजारे बनी हुई है जिन्हें हटाने के लिए राजा जी टाइगर रिजर्व प्रशासन खामोशी ओढ़े हुए है। ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया से लगे टाइगर रिजर्व में जहां पैदल चलने की अनुमति तक पार्क प्रशासन नहीं देता वहां उक्त अवैध मजारों तक लोग अपने दोपहिया चार पहिए वाहनों तक बे खौफ आते जाते है।जबकि ये क्षेत्र हरकी पौड़ी के बेहद करीब माना जाता है।जबकि ये मामला में न सिर्फ उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है बल्कि डीएम हरिद्वार मयूर दीक्षित द्वारा भी राजा जी पार्क प्रशासन को अवगत कराया गया है। पार्क प्रशासन का कहना है कि इस मामले में कोर्ट ने स्टे दिया हुआ है। स्टे के बाद पार्क प्रशासन ने कोर्ट में क्या पक्ष रखा तो इसका कोई जवाब नहीं मिलता,इसका नतीजा ये हुआ कि यहां पहले एक अवैध संरचना थी वहां आसपास और भी अवैध मजारे बन गई है और बेशकीमती सरकारी वन भूमि पर कब्जे का दायरा बढ़ता जा रहा है।हरिद्वार को सनातन नगरी माना जाता है और ये सनातन की,गंगा शिव की आस्था का केंद्र के रूप में विश्व विख्यात है। ऐसे में यहां गैर सनातनी कार्यों की पार्क प्रशासन द्वारा छूट दिए जाने से हिंदुत्वनिष्ठ संगठनों में गुस्सा भी है।श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम का कहना है कि गैर हिंदू संरचनाओं का हरिद्वार में कोई स्थान नहीं होना चाहिए पार्क प्रशासन इसे नहीं हटाएगा तो मजबूरन हमें कदम उठाने होंगे। प्राचीन अवधूत आश्रम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश जी महाराज ने भी हरिद्वार क्षेत्र से ऐसे अवैध निर्माण हटाए जाने की मांग पर अपनी सहमति जताई है।

सात भवन स्वामियों के कोर्ट चालान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मकान मालिको और किराये पर रह रहे बाहरी व्यक्तीयो के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देशानुसार प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व मे कोतवाली ट्राजिट कैम्प पुलिस टीम द्वारा अलग अलग 02 टीमे बनाकर अभियान चलाया गया। टीमों द्वारा क्षेत्र में पोस्ट आफिस लाईन आदि स्थानो पर घरेलू नौकर/किराये दारो का सत्यापन किया गया। जिसमे कार्यवाही करते हुये धारा 81(1) क उत्तराखण्ड पुलिस अधि नीयम के अन्तर्गत मे 01 चालान सयोजन किया गया और धारा 52(3)83 उत्तराखण्ड पुलिस अधि नीयम के अन्तर्गत मे 07 चालान न्यायालय को प्रेषित किया गया। जिसमें जिन भवन स्वामियों के कोर्ट चालान किए गए उनमें विजय चौरसिया पुत्र राम बढई निवासी कृष्णा कालोनी, प्रमोद कुमार चौरसिया पुत्र राम बढई निवासी खजूर वाली गली कृष्णा कालोनी, देवेन्द्र कुमार पुत्र बलवीर सिंह खजूरवाली गली कृष्णा कालोनी, प्रेम राठोर पुत्र भगीरथ राठोर निवासी कृष्णा कालोनी, कमल पुत्र सपल सैनी निवासी कृष्णा कालोनी, कान्ता प्रसाद पुत्र स्व. श्री खेम करन निवासी कृष्णा कालोनी व तेजेन्द्र पुत्र हरिओम प्रकाश निवासी कृष्णा कालोनी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस एक्ट में बबिता देवी का संयोजन शुल्क के रूप में 250 रुपए का चालान किया गया।

अपने जीवन को समाज के लिए कल्याणकारी बनाएं : हरि चैतन्यपुरी

गढीनेगी (उद संवाददाता)।श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने यहाँ श्री हरि कृपा धाम आश्रम में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन को श्रेष्ठ व मर्यादित बनाने के लिए जहाँ से अच्छाई मिले वहाँ से ग्रहण करके अपने जीवन को समाज के लिए कल्याणकारी श्रेष्ठ व मर्यादित बनाएं। सदैव सत्य स्वरूप परमात्मा की ही शरण लेनी चाहिए। हमें प्रभु का कृपा पात्र बनने की कोशिश करनी चाहिए,दया पात्र नहीं। प्रेम पूर्वक की गई भक्ति से परमात्मा प्रसन्न होते हैं। और अपने भक्तों पर कृपा करते हैं। परमात्मा के लिए तो एक मात्र प्रेमपूर्ण भक्ति ही सर्वस्व है। भक्तिमय मनुष्य परमात्मा को अत्यंत प्रिय होते हैं और वही विशेष कृपा के अधिकारी होते हैं। उन्होंने कहा कि इस संसार में कर्म,विकर्म, अकर्म को समझना बड़ा ही कठिन है। इनको या तो भगवान जानते हैं या तो भगवद तत्व का अनुभव करने वाले महात्मा लोग जानते हैं। अपने मन से कल्पना कर बैठना की यह पाप है, यह पुण्य है, यह अज्ञानता का लक्षण है। उन्होंने कहा कि अन्तरदृष्टि(दिव्य नेत्र) खुलने पर परमात्मा या आत्मा का स्वरूप दिखाई देगा। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी को मंत्र मुग्ध व भाव विभोर कर दिया । सारा वातावरण "श्री गुरू महाराज", "कामां के कन्हैया" व "लाठी वाले भैय्या" की जय जयकार से गूंज उठा ।

कारोबारी पुनीत अग्रवाल की माता के निधन से शोक की लहर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आकांक्षा ऑटोमोबाइल के प्रबंध निदेशक एवं युवा उद्यमी पुनीत अग्रवाल की माता संतोष अग्रवाल का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह जनपद के प्रतिष्ठित व्यवसायी और हनुमान राइस मिल के मालिक रहे स्वर्गीय सुरेंद्र अग्रवाल की धर्मपत्नी थीं। उनके निधन की सूचना मिलते ही व्यापारिक और राजनैतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत संतोष अग्रवाल पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन के बाद पार्थिव शरीर को किच्छा स्थित उनके पुश्तैनी आवास पर लाया गया, जहां अंतिम दर्शनों के लिए गणमान्य लोगों का तांता लगा रहा। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार हापुड़ स्थित ब्रजघाट पर किया गया। संतोष अग्रवाल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उन्हें एक

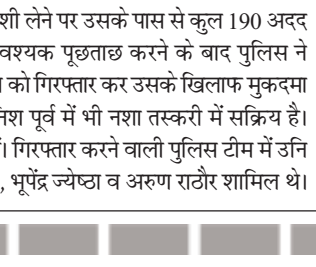

धार्मिक और मिलनसार व्यक्तित्व वाली महिला के रूप में जाना जाता था। विभिन्न संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक युवा कारोबारी पुनीत अग्रवाल की माता के निधन पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रूद्रपुर विधायक शिव अरोरा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश शुक्ला और रूद्रपुर के मेयर विकास शर्मा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसे अग्रवाल परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इसके साथ ही महिला अग्रवाल सभा की अध्यक्ष सुषमा अग्रवाल, अग्रवाल सभा के पदाधिकारी, संस्कार भारती के महानगर अध्यक्ष कुशल अग्रवाल, एलएससी इंफ्राटेक के एमडी शिवकुमार अग्रवाल सहित दर्जनों गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बाजपुर में महिला कांग्रेस नेत्रियों के खिलाफ सौंपी तहरीर

बाजपुर (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति देहरादून में कांग्रेस की कुछ नेत्रियों सहित अन्य लोगों द्वारा आपत्तिजनक व अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करने से रोषित मधुबन स्वायत्तता सहकारी समिति से जुड़ी अनेक महिलाओं ने समाजसेवी उमा जोशी के नेतृत्व में यहां कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए कोतवाली पहुंचकर कांग्रेस की आरोपी नेत्रियों के खिलाफ एसएसआई जसविंदर सिंह को तहरीर सौंपकर उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की। तहरीर में उमा जोशी ने कहा कि 9 जनवरी 2026 को कांग्रेस कार्यालय देहरादून से ऐस्लेहॉल चौक पर सोशल मीडिया के माध्यम से देखा गया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन पुष्कर सिंह धामी के विरुद्ध कुछ लोग अश्लील अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करते हुए मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद को अपमानित करने व गरिमा गिराने की नीयत से आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे तथा बिना प्रशासन की अनुमति के हाईवे पर जुलूस व धरना प्रदर्शन कर आपराधिक कृत्य कर रहे हैं। जिसकी समस्त ऑनलाइन वीडियो रिकॉर्डिंग उसके पास सुरक्षित है जिससे प्रार्थनी स्वयं व पूरा उत्तराखंड शर्मसार हो रहा है। उन्होंने कहा है कि कुछ अज्ञात लोगों द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अर्थी बनाकर कान्धा देना तथा सड़क पर लेटाकर उसको अपमानित करना व अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुये लातों से मारना एक राजद्रोह की श्रेणी में आता हैं अर्थात् यह लोग वर्तमान सरकार के मुख्यमंत्री श्री धामी एवं भाजपा सरकार से वगावत पर उतरना है, जिसका उनको कोई अधिकार नही हैं। सरकार अपने अधिकारों की रक्षा के लिये अधिकारों का प्रयोग कर सम्बन्धित लोगों स्वाती नेगी, गारिमा दसौनी सहित अन्य लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराना उचित हैं। उन्होंने कहा यदि आरोपियों के विरुद्ध उचित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई तो महिलाएं आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगी जिसकी जिम्मेवारी अधिकारियों की होगी। इस दौरान जसप्रीत कौर, पूनम, अमरजीत कौर, सरस्वती पूजा, काजल, बलविंदर कौर संदीप, सुनीता, गीता देवी, कुलदीप, उर्मिला, रीना, ममता, नीलम, कला देवी, जसविंदर कौर, गुरजीत कौर, रूबी सहित कई महिलाएं मौजूद थीं।

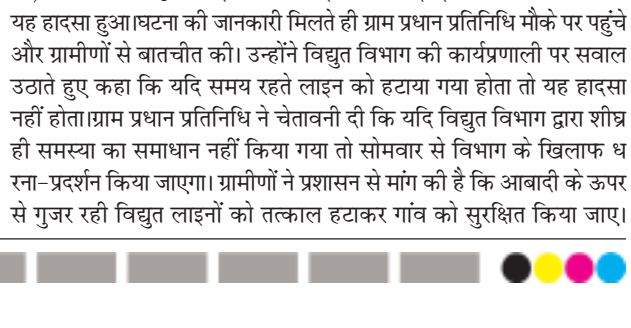

ट्रांजिट कैंप से 16 वर्षीय किशोरी लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के शिवनगर से एक 16 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। परिजनों की काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला, तो पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।शिवनगर वार्ड नंबर 9 निवासी गीता पत्नी जयदेव सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री महक बीते 9 जनवरी को दोपहर लगभग ढाई बजे घर से सब्जी लेने के लिए ट्रांजिट कैंप बाजार गई थी। देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों को चिंता हुई। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री की सभी संभावित स्थानों और रिश्तेदारियों में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। लापता किशोरी का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है।परिजनों के अनुसार महक का कद लगभग 5 फुट, रंग गोरा और शरीर दुबला-पतला है। पुत्री के अचानक गायब होने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि किशोरी के संबंध में कोई सुराग मिल सके।

सड़क पर दुकान लगाने वालों को हटाया

हल्द्वानी। शनिबाजार की आड़ में सड़क पर दुकान लगाने वालों के खिलाफ प्रशासन ने शनिवार को अभियान चलाया। प्रशासन और नगर निगम की टीम ने बरेली रोड पर मंडी गेट के सामने से रेलवे फाटक तक लगे फड़-ठेले आदि हटाए। इस दौरान टेबल, बेंच, तख्त समेत तीन ट्रॉली सामान जब्त किया। व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध किया लेकिन उनकी एक नहीं चली। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, एसडीएम राहुल साह और निगम के लेखाधिकारी गणेश भट्ट के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान वहां नाले पर किए अतिक्रमण को भी हटाया गया। इनमें पांच कच्चे कब्जे शामिल हैं। नगर निगम ने शनिबाजार लगाने के लिए स्थान निर्धारित किया है। इसके लिए ठेकेदार भी हैं। लोग तय स्थान के बजाय सड़क, खाली प्लॉट पर दुकानें लगा रहे हैं। इससे बाजार वाले दिन रोड पर दिनभर जाम लगता है जिससे शहर आने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

नशीले इंजेक्शनों के जखीरे सहित तस्कर किया गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एसओजी तथा बनभूलपुरा कोतवाली पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही में 190 नशीले इंजेक्शन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह फर्त्याल व एसओजी प्रभारी राजेश जोशी के नेतृत्व में एसओजी तथा बनभूलपुरा कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घूमते पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता मो. दानिश उर्फ पिण्डारी पुत्र नियाज अहमद निवासी उत्तर

उजाला वार्ड 29, बनभूलपुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 190 अदद अवैध नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। आवश्यक पूछताछ करने के बाद पुलिस ने इंजेक्शन कब्जे में लेकर नशा तस्कर दानिश को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने बताया कि दानिश पूर्व में भी नशा तस्करी में सक्रिय है। उसके खिलाफ पूर्व में भी अभियोग दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उनि मोनी टम्टा, का. मौ. यासीन, लक्ष्मण राम, भूपेंद्र ज्येष्ठा व अरुण राठौर शामिल थे।

गदरपुर में बिजली चोरी के खिलाफ विजिलेंस टीम ने चलाया अभियान

गदरपुर (संवाददाता)। बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम ने गदरपुर क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर की गई जांच में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताएं सामने आईं।विजिलेंस टीम का नेतृत्व एसडीओ विजिलेंस पुनीत द्वारा किया गया। टीम में एसडीओ गदरपुर प्रकाश शाह, जेई सुभाष आर्य तथा लाइनमैन विजय व बसी शामिल रहे। टीम ने मौके पर पहुंचकर विद्युत कनेक्शनों की जांच की।जांच के दौरान नारायणपुर निवासी तेजिंदर सिंह, कुलवंत सिंह, अवतार सिंह तथा श्याम नगर निवासी सुरेंद्र पाल के यहां बिजली चोरी पाए जाने पर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई।विद्युत विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। विभाग ने उपभोक्ताओं से नियमों के अनुसार बिजली उपयोग करने की अपील की है।

विद्युत विभाग की लापरवाही से लाइन की चपेट में आया मासूम

गदरपुर (संवाददाता)। विद्युत विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। गदरपुर क्षेत्र के मझरा शीला गांव में आबादी के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक 4 वर्षीय मासूम गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है।जानकारी के अनुसार गांव निवासी मासूम अपने घर की छत में खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की आबादी के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन को हटाने के लिए विद्युत विभाग को कई बार लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया गया था, लेकिन विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते लाइन को हटाया गया होता तो यह हादसा नहीं होता।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने चेतावनी दी कि यदि विद्युत विभाग द्वारा शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो सोमवार से विभाग के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आबादी के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइनों को तत्काल हटाकर गांव को सुरक्षित किया जाए।

अब घर बैठे ऑनलाइन मिलेंगी सत्यापित खतौनी

मुख्यमंत्री धामी ने राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों से सम्बन्धित छह वेब पोर्टल का किया शुभारंभ

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में राजस्व परिषद द्वारा राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों से सम्बन्धित 6 वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। इसमें ई-भूलेख (अपडेटेड वर्जन), भू-नक्शा, भूलेख अंश, भू-अनुमति, एग्री लोन एवं ई-वसूली पोर्टल (ई-आरसीएस पोर्टल) शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप विज्ञान, आईटी और एआई के माध्यम से आमजन को अधिक से अधिक सहूलियत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा इन वेब पोर्टलों के शुभारंभ से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी, उनका जीवन सरल होगा एवं उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, जिससे समय की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार-सरलीकरण, समाधान और निस्तारण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत राजस्व से जुड़ी नई सेवाओं का ऑनलाइन उपलब्ध होना महत्वपूर्ण कदम है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी एवं नागरिक घर बैठे ही खतौनी सहित अन्य राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि अभिलेखों से संबंधित सेवाओं में विशेष रूप से खतौनी अब तहसील कार्यालय आने के बजाय घर बैठे मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से सत्यापित प्रति के रूप में, ऑनलाइन भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा प्रदेश में उद्योग एवं कृषि प्रयोजनों हेतु भूमि उपयोग/भूमि कार्य की अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्णत: ऑनलाइन की गई है। साथ ही भूमि मानचित्र (कैडस्ट्रल मैप) को सार्वजनिक डोमेन में नि:शुल्क देखने की सुविधा प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 वेब एप्लीकेशन का नवीन संस्करण डिजिटल इंडिया की भावना, विकसित भारत एवं विकसित उत्तराखण्ड के लक्ष्यों तथा समय की मांग के अनुरूप आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उन्नत किया गया है। इस पहल से प्रशासनिक पारदर्शिता एवं नागरिक सुविधा में वृद्धि होगी। जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ लिविंग को भी बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि ई-भूलेख पोर्टल के तहत भूमि अभिलेखों से संबंधित सेवाओं में विशेष रूप से खतौनी अब तहसील कार्यालय आने के बजाय घर बैठे मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से सत्यापित प्रति के रूप में, ऑनलाइन नियत शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे के माध्यम से कर, प्राप्त की जा सकती है। पूर्व में खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने हेतु आमजन को तहसील आना पड़ता था, जिससे समय एवं संसाधनों की अतिरिक्त खपत होती थी, जबकि अब यह सुविधा पूर्णत: ऑनलाइन उपलब्ध है। भूलेख अंश पोर्टल के तहत प्रदेश के भू-अभिलेखों में संयुक्त खातेदारी एवं गोलखातों में दर्ज खातेदारों एवं सहखातेदारों का पृथक-पृथक अंश निर्धारित डाटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार किये जाने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस कार्यवाही में भू-अभिलेखों में खातेदारों की जाति, लिंग एवं पहचान संख्या को भी संकलित किया जा रहा है, जिससे भविष्य में भू-अभिलेखों का समेकित डाटाबेस तैयार किया जा सकेगा। भू-अनुमति पोर्टल के तहत प्रदेश में उद्योग एवं कृषि प्रयोजनों हेतु भूमि उपयोग/भूमि कार्य की अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्णत: ऑनलाइन किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से भू-कानून के अनुसार प्रदेश में उद्योग एवं जनपद हरिद्वार एवं उधमसिंहनगर में कृषि व बागवानी हेतु भूमि कय की अनुमति को पूर्णत: डिजिटलाईज किया गया है। एग्रीलोन पोर्टल के तहत प्रदेश में उद्योग एवं कृषि प्रयोजनों हेतु भूमि उपयोग/भूमि कार्य की अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्णत: ऑनलाइन किया गया है। किसानों को बैंक से अपनी भूमि के सापेक्ष कृषि एवं कृषि संबंधित गतिविधियों हेतु ऋण लेने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन किया गया है। अब किसान या भूमि स्वामी पोर्टल के माध्यम से ऋण के लिये आवदेन कर सकता है। और ऋण अदायगी के उपरान्त बैंक द्वारा एन.ओ.सी जारी करने पर स्वत: ही चार्ज रिमूव भी हो जायेगा। ई-वसूली पोर्टल के माध्यम से राजस्व वसूली की प्रक्रिया को पूर्ण: डिजिटल बनाते हुए बैंक अथवा संबंधित विभाग अब अपने बकायेदारों से वसूली हेतु प्रकरणों को ऑनलाइन माध्यम से कलेक्टर को भेज सकेंगे, जिसमें पूरी वसूली प्रकिया की प्रत्येक स्तर पर ट्रेकिंग की जा सकेगी एवं भू-नक्शा पोर्टल के तहत भूमि मानचित्र (कैडस्ट्रल मैप) को सार्वजनिक डोमेन में नि:शुल्क देखने की सुविधा प्रदान की गई है। इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव राजस्व एस.एन पांडेय, सचिव एवं आयुक्त राजस्व परिषद श्रीमती रंजना राजगुरु, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, स्टाफ ऑफिसर श्रीमती सोनिया पंत, एनआईसी के वरिष्ठ निदेशक (आईटी) श्री मनीष वालिया, नरेंद्र सिंह नेगी, संयुक्त निदेशक (आईटी) चंदन भाकुनी एवं राज्य के सभी जिला मुख्यालयों से जिलाधिकारी, मंडल आयुक्त तथा विभिन्न तहसीलों से संबंधित अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने नशा उन्मूलन रैली निकालकर ग्रामीणों को किया जागरूक

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने छात्रों को सिखाए आग से बचाव के गुर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रूद्रपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवियों ने नशा उन्मूलन रैली का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा के नेतृत्व में स्वयंसेवियों ने रमपुरा और प्रीत विहार क्षेत्रों में भ्रमण कर स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान छात्रों ने 'नशा नहीं जीवन दो', 'बीड़ी तंबाकू और शराब करते हैं जीवन को खराब' जैसे नारों के माध्यम से नशा मुक्त समाज का संदेश दिया।रैली के पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडेय ने सभी स्वयंसेवियों को जीवन में कभी नशा न करने और समाज में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई। शिविर के दूसरे सत्र में उत्तराखंड अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। हेड कांस्टेबल नवल प्रताप ने स्वयंसेवियों को घरों में लगने वाली आग और विशेषकर गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में बचाव के प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक धर्मेंद्र बसेरा ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयंसेवियों से संवाद करते हुए जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें अनुशासन के साथ समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मोहम्मद लुकमान, विशाल सरकार, जगदीश भट्ट, कलावती, शुभांगी पांडे और पवन कुमार सहित इकाई के सभी स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकेमिक दवाईयों के विक्रेता
डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरूद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 रविवार अवकाश

श्रीमद् भागवत कथा से होता है दुखों का नाश: चुघ

रमपुरा के दुर्गा मंदिर में कथा का शुभारंभ, 16 को होगा विशाल भंडारा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वार्ड नंबर 24 रमपुरा स्थित दुर्गा मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वृंदावन से पधारे बाल व्यास सुमित शिवम शास्त्री ने संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराते हुए भक्तों को निहाल किया। इस अवसर पर भारत भूषण चुघ ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के दुखों का नाश होता है और उसे सद्मार्ग की प्राप्ति होती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम और सौहार्द बढ़ता है, जिससे भेदभाव और आपसी दूरियां समाप्त होती हैं। चुघ ने युवाओं का आह्वान किया कि उन्हें धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण हो सके।आयोजन समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि श्रीमद् भागवत कथा का प्रवाह 16 जनवरी तक निरंतर जारी रहेगा। कथा के अंतिम दिन विधि-विधान के साथ हवन और विशाल भंडारे के आयोजन के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के दौरान जसविंदर खरबंदा लकी, मनदीप वर्मा, संजीव गुप्ता, रोहित कोली, ओमपाल कोली, दर्शन कोली, वीरु कोली, बाबू कोली, ओम प्रकाश कोली, अजय मिश्रा, सोनू शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ चरणबद्ध जन आंदोलन आज से शुरू: राहुल

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मनरेगा बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस का चरणबद्ध जन आंदोलन 11 जनवरी से 25 फरवरी तक होगा। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने एवं इसके अधिकारों में की जा रही कटौती के विरोध में कांग्रेस देशभर में "मनरेगा बचाओ अभियान" चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 11 जनवरी से 25 फरवरी तक चरणबद्ध जन आंदोलन आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल और महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने स्वराज आश्रम मे सयुक्त रूप से प्रेसवार्ता कर मनरेगा बचाओ कार्यक्रम की रूपरेखा जारी की। उन्होंने बताया कि 11 जनवरी को जिला/महानगर मुख्यालयों पर एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन के द्वारा कांग्रेस देशभर में मनरेगा बचाओ संघर्ष का शंखनाद करेगी। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर चौपाल, जनसंवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से ग्रामीण जनता, मजदूरों, किसानों और महिलाओं को मनरेगा से जुड़े अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।30 जनवरी को वार्ड एवं ब्लॉक स्तर पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजित कर केंद्र सरकार से मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने, बजट बढ़ाने तथा मजदूरों को समय पर रोजगार व भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। इसके साथ ही 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तर पर मनरेगा बचाओ यात्रा, 7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य स्तरीय विधानसभा घेराव तथा 16 फरवरी से 25 फरवरी तक क्षेत्रीय समापन रैलियों का आयोजन किया जाएगा।कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसे कमजोर करने का हर प्रयास देश के करोड़ों मेहनतकश परिवारों के भविष्य पर सीधा हमला है, जिसे कांग्रेस किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी।जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल और महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि नैनीताल जिला और हल्द्वानी महानगर मे कांग्रेस मनरेगा बचाओ अभियान को मजबूती से जनता के बीच ले जायेगी। प्रेसवार्ता मे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज शर्मा और रंजीत डसीला भी मौजूद रहे।

विधायक ने किया शहीद असीत सरकार स्मृति द्वार का लोकार्पण

बुक्सा समाज के भवन सहित कई मंदिरों के सौंदर्यीकरण का हुआ शिलान्यास

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा ने रूद्रपुर विधानसभा के अंतर्गत ग्रामसभा खटोला में एक करोड़ 30 लाख रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। क्षेत्र के प्रवास पर निकले विधायक ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में रूद्रपुर विधानसभा में विकास कार्यों को नई रफ्तार मिली है और शहर से लेकर गांव तक बिना किसी भेदभाव के जनहित की योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। विधायक ने खटोला में राधाकान्तपुर से मोतीपुर तक जाने वाली 30 लाख की लागत की जिला योजना से स्वीकृत 400 मीटर मार्ग का शिलान्यास किया। इसके साथ ही राज्य योजना के अंतर्गत 39 लाख की लागत से पूर्ण हुए ढाई किलोमीटर मार्ग के सतह सुधार कार्य का लोकार्पण किया।विधायक ने शहीद असीत सरकार की स्मृति में खटोला नंबर 1 में 4 लाख की लागत से निर्मित द्वार का लोकार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों और पूर्व सैनिकों का सम्मान सरकार की प्राथमिकता है। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हुए विधायक ने बुक्सा समाज के सार्वजनिक भवन के लिए 5 लाख की लागत से हुए निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त विधायक निधि से मोतीपुर में 5 लाख की लागत से बने टीन शेड, मोतीपुर नंबर 1 के राधा कृष्ण मंदिर में 2.14 लाख से निर्मित मुख्य गेट और लक्ष्मी नारायण मंदिर के समीप 5 लाख की लागत से बने भव्य गेट का लोकार्पण भी किया गया। धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण की श्रृंखला में राधाकांतपुर देवी मंदिर में 5 लाख और शिव मंदिर में 2.50 लाख की लागत से होने वाले कार्यों का शिलान्यास भी विधायक द्वारा किया गया।इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि जनता की मांग के अनुसार विकास कार्यों की झड़ी लगाना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि चाहे बुक्सा समाज के लिए भवन निर्माण हो या मंदिरों का सौंदर्यीकरण, उन्होंने हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया है। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास, प्रीत ग्रोवर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश बजाज, महामंत्री रमेश कन्याल, आयुष चिलाना, सूबेदार भगवनत पागती, बीडीसी सुनीता ढाली, पूर्व प्रधान मुकेश राणा, प्रधान प्रतिनिधि गुरविंदर, सुरबाला मंडल, संजीत, प्रदीप दास, प्रधान सुमंगल, असीम सरकार, अनिल सरकार, पवित्र ढाली, नंदगोपाल, रजत वैध, तपस वैध , रागिनी वैध, खोखन सरदार, कपिल, कमलेश कुशवाहा, सूबेदार दुर्गा राणा, कैप्टन सुरेंद्र पानू, हवलदार कैलाश पाठक, सूबेदार देव सिंह, धर्मसत्तू, कैप्टन भगत सिंह, हवलदार प्रकाश पाण्डेय, भूपेंद्र सिंह और कमलेश पंत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

पंतनगर में 'इम्पैक्ट-2026' अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आगाज

पंतनगर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और डीएम पीडिया, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'इम्पैक्ट-2026' का भव्य शुभारम्भ हुआ। प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के बहुउद्देशीय भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अमेरिका से आए डॉ. कृष्णा निमोली और सर्वोच्च न्यायालय में मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के विधिक प्रतिनिधि डॉ. मनोज गोरकेला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. गुप्ता ने की। इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह और संचालन समिति के सदस्य डॉ. गुलशन श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों द्वारा कॉन्फ्रेंस स्मारिका का विमोचन किया गया।अनुसंधान और साइबर सुरक्षा पर विशेष चर्चा मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णा निमोली ने रिमोट सेंसिंग की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोई भी अनुसंधान तभी सार्थक माना जाता है जब उसका लाभ समाज को मिले। उन्होंने वर्तमान समय की गंभीर चुनौतियों जैसे साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा और हैकिंग से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए आईटी क्षेत्र में करियर के बेहतर अवसरों के बारे में बताया। डॉ. एस.एस. गुप्ता ने भविष्य की 'एडवांस कंप्यूटिंग' तकनीक और ऐसे सम्मेलनों की महत्ता पर अपने विचार साझा किए।विश्वभर के वैज्ञानिकों का जुटान विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह ने सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इस कॉन्फ्रेंस के लिए कुल 850 शोध पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से कड़े मूल्यांकन के बाद केवल 173 शोध पत्रों का चयन प्रस्तुतीकरण के लिए किया गया है। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। खास बात यह है कि इस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, रोमानिया और कजाकिस्तान जैसे देशों के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर व्याख्यान दे रहे हैं और सत्रों की अध्यक्षता कर रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर समन्वयक डॉ. अशोक कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक और भारीसंख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमिनिटी अकादमी बनी जिला क्रिकेट लीग की चैंपियन

किंग्सफोर्ड को दी शिकस्त, शशांक बने मैन ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उधम सिंह नगर के तत्वावधान में आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एमिनिटी स्पोर्ट्स अकादमी ने अपने नाम कर लिया है। एमिनिटी स्पोर्ट्स ग्राउंड पर खेले गए निर्णायक मुकाबले में एमिनिटी स्पोर्ट्स अकादमी रूद्रपुर ने किंग्सफोर्ड क्रिकेट अकादमी काशीपुर को सात विकेट से हराकर चैंपियन शिप की ट्रॉफी पर कब्जा किया। किंग्सफोर्ड के कप्तान जतिन वर्क ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और निर्धारित 45 ओवरों के खेल में आठ विकेट के नुकसान पर 254 रनों का स्कोर खड़ा किया। किंग्सफोर्ड की ओर से शौर्य श्रीवास्तव ने 55, नीतीश जोशी ने 46 और कपिल रावत ने 42 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। एमिनिटी की ओर से गेंदबाजी में मृत्युंजय पांडेय, प्रत्युष राज पांडे और शशांक पंत ने दो-दो विकेट प्राप्त किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमिनिटी स्पोर्ट्स अकादमी की शुरुआत शानदार रही और टीम ने सात विकेट शेष रहते मैच जीत लिया। कप्तान शशांक पंत ने कप्तानी पारी खेलते हुए 126 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेली, जबकि मृत्युंजय ठाकुर ने 74 और मनु कुमार ने 37 नाबाद रनों का योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए शशांक पंत को फाइनल का मैन ऑफ द मैच और प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त मौर्य एकेडमी गदरपुर के मयंक मुडिला को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और पीएस मॉडल अकादमी के प्रेम दीप भंडारी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार दिया गया। मैच में अंपायर की भूमिका राजेंद्र कुमार और जेपी सिंह ने निभाई, जबकि ऑनलाइन स्कोरिंग अरमान द्वारा की गई। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के उपसचिव नूर आलम और एमिनिटी स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबंध निदेशक सुभाष अरोड़ा ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर राहुल पवार, गौरव तिवारी, आफताब आलम, बलवंत सिंह, सुनील यादव, इंद्र नीलकर और राजन कुमार सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक स्मृतियों और आधुनिक सुविधाओं से संवर रहा शहर: विकास

महापौर ने किया माता गुजर कौर समृति द्वार का लोकार्पण

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'विकसित उत्तराखंड' के विजन को धरातल पर उतारते हुए नगर निगम रुद्रपुर ने शहर के बुनियादी ढांचे और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वार्ड संख्या 39, जगतपुरा में जनभावनाओं के प्रतीक 'माता गुजर कौर द्वार' का का महापौर विकास शर्मा ने विधिवत फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी आवास विकास जगतपुरा और स्थानीय निवासियों ने महापौर विकास शर्मा और वार्ड के पार्षद सौरभ राज बेहड़ का फूल मालाओं से स्वागत किया और उन्हें शॉल ओढाकर सम्मानित किया। इस दौरान द्वार निर्माण की मांग पूरी होने पर मिष्ठान भी वितरित किया गया। लोकार्पण समारोह के दौरान विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने नगर के विकास का विस्तृत रोडमैप साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में रुद्रपुर अब केवल एक औद्योगिक शहर नहीं, बल्कि एक 'आदर्श मॉडल सिटी' के रूप में उभर रहा है। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी का स्पष्ट विजन है कि नगरों का विकास केवल ईंट-पत्थरों तक सीमित न रहे, बल्कि वहां रहने वाले नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार आए। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए हम रुद्रपुर को एक ऐसी अत्याधुनिक नगरी बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जहाँ चौड़ी सड़कों के साथ-साथ हरियाली, स्वच्छता और बेहतर जन सुविधाएं उपलब्ध हों।महापौर ने कहा कि नगर निगम अब अपनी पारंपरिक भूमिका से बाहर निकलकर जन- कल्याण के व्यापक क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य एक ऐसा रुद्रपुर बनाना है जहाँ स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ हों और सरकारी योजनाएँ हर दरवाजे तक पहुँचें। इसी विजन के तहत नगर निगम ने आठ आरोग्य केंद्र संचालित किए हैं, जो आज हजारों नागरिकों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध हो रहे हैं। हमारा विजन नगर निगम को एक ऐसी 'सिंगल विंडो' संस्था के रूप में विकसित करना है, जहाँ समाज कल्याण, श्रम विभाग और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को एक ही छत के नीचे मिल सके।विकास कार्यों की पारदर्शिता पर जोर देते हुए महापौर ने कहा कि निगम की कार्यशैली में राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा चाहे सत्ता पक्ष का वार्ड हो या विपक्ष का, हमारा एकमात्र उद्देश्य विकास है। पहली और दूसरी बोर्ड बैठक में पारित करोड़ों के प्रस्तावों पर निर्माण कार्य की गति इसका प्रमाण है।माता गुजर कौर द्वार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महापौर ने कहा कि विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संजोना हमारी जिम्मेदारी है। यह द्वार नई पीढ़ी को हमारे महान इतिहास से जोड़े रखेगा। इस अवसर पर पार्षद सौरभ राज बेहड़ ने महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की इस पुरानी मांग को पूरा कर निगम ने विकास की समावेशी राजनीति का परिचय दिया है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, महामंत्री तरूण दत्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश कोली, पारस चुघ, पार्षद गौरव खुराना, रोशन अरोरा, अंकित सिंह, हीरामन, मनीश, , गुरमीत सिंह, गुरजीत सिंह, इकबाल सिंह, हरविंदर सिंह, गुरविंदर सिंह, गुरचरन सिंह, राजा सिंह, आकाश आहूजा, गुरनाम सिंह, मुख्त्यार सिंह, बगीच सिंह, अशोक गाबा, जसविंदर सिंह बेदी, अशोक कालरा, नवनीश साहनी, करन, दिनेश गोस्वामी, शांति दास कोली, दीपक कोली, भरत अग्रवाल, अमित कक्कड़, एस के रस्तौगी,, अजय कालरा, शुभम कालरा, नरेश उप्रेती, रीत लाल यादव, चन्द्रप्रकाश शर्मा, समरप्रीत ग्रोवर, संयम अरोरा, उन्नत विश्नोई, प्रशांत कपूर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

रेलवे की शिकायतें

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है। गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं। हाल में सरकार ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं का किराया बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि यह वृद्धि देखने में मामूली लगती है, लेकिन देश भर में प्रतिदिन रेल में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या की लिहाज से देखें, तो सरकार को हर साल इससे करोड़ों रुपए की कमाई होगी। ऐसे में सवाल है कि क्या सरकार का लक्ष्य सिर्फ राजस्व अर्जित करना ही है? अगर ऐसा नहीं है, तो यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है।रेल मदद पोर्टल पर बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर मंत्रालय ने हाल में सभी मंडलों के अधिकारियों को पत्र भेज कर व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इन निर्देशों पर कड़ाई से अमल होगा या फिर महज खानापूर्ति का ही प्रयास किया जाएगा, इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। यह सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि जब तक रेलगाड़ियों में साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं को लेकर व्यापक निगरानी तंत्र विकसित नहीं किया जाएगा, तब तक समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद करना व्यर्थ है।

यूओयू दशम दीक्षान्त समारोह 12 जनवरी को होगा आयोजित 34 स्वर्ण पदकों से विवि के मेधावी विद्यार्थी होंगे सम्मानित

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी का दशम दीक्षान्त समारोह आगामी 12 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में गरिमामय, अनुशासित एवं शैक्षणिक वातावरण में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी आज आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने मीडिया प्रतिनिधियों को दी।कुलपति ने बताया कि दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कुल 34 स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया जाएगा।दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्य के महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) करेंगे। समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री उत्तराखण्ड सरकार डॉ. धन सिंह रावत अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, शिक्षकगण, अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी शामिल होंगे।कार्यक्रम का शुभारंभ शैक्षणिक शोभायात्रा, राष्ट्रगान, दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ किया जाएगा। इसके उपरांत कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की जाएगी तथा उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षान्त

संदेश दिया जाएगा। समारोह के समापन पर कुलाधिपति द्वारा दीक्षान्त उद्बोधन दिया जाएगा।इस दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय की सभी प्रमुख विद्याशाखाओं ख़मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन सहित अन्य विषयों के विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। साथ ही शोध कार्य पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।कुलपति ने जानकारी दी कि सत्र 2024-25 के लिए कुलाधिपति स्वर्ण पदकख़स्नातक स्तर पर शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा की छात्रा प्रेरणा भट्ट को बी.एड. कार्यक्रम में सर्वोच्च उपलब्धि हेतु,स्नातकोत्तर स्तर पर मानविकी विद्याशाखा के संस्कृत विषय में प्रवेश कुमार को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विभिन्न विषयों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए जाएंगे। स्नातक स्तर पर मानविकी विद्याशाखा की छात्रा दीपिका को कला विषय में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक दिया जाएगा।अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा कई प्रायोजित एवं स्मृति स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे, जिनमेंख़ला. देवीकी नंदन नंद किशोर एजेंसी स्मृति स्वर्ण पदक, श्रीमती शीला देवी स्मृति स्वर्ण पदक, श्रीमती भगवती देवी स्मृति स्वर्ण पदक तथा कल्याण भवति समिति पदक प्रमुख हैं।दीक्षान्त समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' का विमोचन, विश्वविद्यालय की हिंदी वेबसाइट का लोकार्पण तथा विश्वविद्यालय की 20 वर्षों की प्रगति पर आधारित आख्या 'प्रगति के सोपान' का विमोचन भी किया जाएगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत समारोह को संबोधित करेंगे, जबकि माननीय मुख्यमंत्री का वीडियो संदेश भी प्रस्तुत किया जाएगा।प्रेस वार्ता में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि यह दीक्षान्त समारोह केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, समावेशी शिक्षा, नवाचार एवं सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।वहीं प्रो. (डॉ.) राकेश चन्द्र रयाल ने कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के अपने संकल्प पर निरंतर कार्य कर रहा है।

मोर्चा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों की हुई नोंक झोंक

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच की मांग को लेकर आज उत्तराखंड बंद है। इस दौरान मोर्चा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों से नोंक झोंक देखने को मिली।बता दें दून उद्योग व्यापार मंडल ने उत्तराखंड बंद को लेकर आपत्ति जताई थी। जिसके चलते पलटन बाजार में कुछ दुकानें बंद थी तो कुछ दुकानें खुली। खुली दुकानों को देख मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बंद करने के लिए कहा इस बात को लेकर मोर्चा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों से नोंक झोंक हो गई।व्यापारियों का कहना है कि बिना वार्ता किए दुकानों को बंद कराया जा रहा है। व्यापारियों ने सवाल उठाया कि व्यापार मंडल से बिना वार्ता कर कैसे दुकानों को बंद कराया जा रहा है। हालांकि व्यापारियों ने कहा कि हम दुकानें बंद करने के लिए मना नहीं कर रहे, लेकिन किसी भी तरीके की जोर जबरदस्ती नहीं चलेगी।व्यापारियों का कहना है कि हमारा पूरा सहयोग आंदोलनकारियों के साथ है। लेकिन पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि दुकानों को खोलना है या नहीं क्योंकि कल व्यापार मंडल ने कहा था की दुकानों को खोलना है और आज कहा जा रहा है कि दुकानों को बंद रखिये। ऐसे में इसे लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। मंच ने कहा कि यह घोषणा अस्पष्ट और भ्रमित करने वाली लगती है, क्योंकि इसमें वे मांगें शामिल नहीं हैं जो वे पिछले तीन सालों से लगातार कर रहे हैं। मंच की प्रमुख मांग है कि सीबीआई जांच को हाईकोर्ट की निगरानी में किया जाए। साथ ही जांच के बिंदु स्पष्ट रूप से सार्वजानिक किए जाएं। साथ ही सभी तथ्यों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सामने लाया जाए और उन वीआईपीयो को जिनकी वजह से यह हत्याकांड हुआ है उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

आखिरकार नरेंद्र मोदी सरकार ने विपक्ष के तमाम विरोध और हंगामे के बावजूद 'शांति विधेयक-2025' अर्थात 'भारत परिवर्तन के लिए नाभिकीय ऊर्जा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक-2025' लोकसभा से पारित करा लिया। इस विधेयक का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम 2010 को निरस्त करना है। दरअसल भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने की दृष्टि से ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बड़े लक्ष्य को प्राप्ती के लिए निजी कंपनियों का सहयोग जरूरी है। अकेली सरकारी संस्थाओं के बूते इस मकसद को पूरा करना मुमकिन नहीं है। अतएव इस नए विधेयक के आने से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की उम्मीद की जा रही है। यह विधेयक परमाणु ऊर्जा के लिए एक सुरक्षित कानूनी ढांचा तैयार करेगा। फलस्वरूप निजी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर सकेंगी। इस क्षेत्र में अभी तक परमाणु ऊर्जा विभाग का ही कब्जा है। इस विधेयक के बाद अतिरिक्त बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) 2010 में दो महत्वपूर्ण संशोधन सरकार कर सकती है। इन दो संशोधनों को बड़े सुधारों के रूप में देखा जा रहा है। इस संशोधन के तहत परमाणु संयंत्रों को उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी सीमित की जा सकती है। मसलन यदि कोई दुर्घटना होती है तो उनकी जिम्मेदारी अनुबंध की मूल राशि और एक निर्धारित समय तक ही सीमित रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में बतौर उदाहरण विदेशी कंपनी जैसे जीई-हिताची वेस्टिंग हाउस को इस कानून के कारण निवेश में हिचक होती रही है। दूसरा संशोधन परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में प्रस्तावित है। यह कानून फिलहाल केवल सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ही परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति देता है। इसे संशोधित किया जाता है तो निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन की अनुमति मिल जाएगी। इस परिवर्तन से विदेशी कंपनियों के लिए भविष्य के परमाणु प्रोजेक्ट में अंशिक हिस्सेदारी का द्वार खुल जाएगा। साफ है, ये उपाय हो जाते हैं तो परमाणु उत्पादन बढ़ने की संभावनाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु दुर्घटना होने पर कंपनियों को नागरिक जवाबदेही से मुक्ति मिल जाएगी। याद रहे मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के बाद जो राजनीतिक तूफान उठा था, उसके चलते संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार गिरते-गिरते बची थी। दरअसल सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बाधा मुक्त इसलिए करना चाहती है जिससे 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए। इसी लक्ष्य पूर्ति के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाना चाहती है। इसीलिए 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया था। इस क्षेत्र में नया प्रयोग करते हुए पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। कालांतर में विदेशी कंपनियों को भी परमाणु संयंत्र लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो, इसे पीपीपी मॉडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे, तब भारत में छोटे परमाणु संयंत्र लगाने और भारत में ही उत्पादन करने का समझौता हुआ था। एआई के दौर में ऊर्जा की खपत असाधारण रूप से बढ़ने की उम्मीद है। यह एक कंप्यूटर की भाषा का कृत्रिम बुद्धि से जुड़ा मॉडल है। भाषा मॉडल ऐसे मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जो मानव भाषा के पाठ को समझ सकते है और सृजित भी कर सकते हैं। ये मॉडल भाषा के बड़े डेटा भंडार का विश्लेषण करने पर भी सक्षम होते हैं। सुपर और क्वांटम कंप्यूटर में इसी एआई की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत लघु परमाणु संयंत्रों से ही संभव हैं। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। ऑप्रेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी और गैर-सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया था, उन आयुधों के निर्माण और संचालन के लिए भी परमाणु ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य में सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक हैं। आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया था। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। यानी छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के रास्ते साफ किए जा रहे हैं। भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है। हालांकि परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न खतरों की आशंकाएं भी एकदम बेबुनियाद नहीं हैं। इसलिए परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस के चेर्नोबिल और जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में हादसे के बाद इस तरह की चिंताएं जरूरी हैं। क्योंकि वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद प्राकृतिक आपदाओं के सामने हम बौने हैं। जापान में महज दस सेकेंड के लिए आई सुनामी नामक विराट आपदा ने फुकुशिमा की वैज्ञानिक उपलब्धियों को चकनाचूर कर दिया था। सृष्टि को संजीवनी देने वाले तत्व हवा, पानी और अग्नि जब न्यूनतम मर्यादाओं की सीमा लांघकर भीषण विराटता रचते हैं तो दसों दिशाओं में सिर्फ और सिर्फ विनाशलीला का मंजर दिखाई देता है। इसलिए जरुरी है कि परमाणु रिएक्टर प्रदायक कंपनियों को कड़ी शर्तों के तहत मुआवजे के प्रावधान निर्धारित हों या फिर बीमा कंपनियों को दुर्घटना की स्थिति में क्षतिपूर्ति से जोड़ा जाए। परमाणु बिजली संयंत्रों में ग्रेफाइट मॉडरेट के रुप में प्रयोग होता है। जिसमें पानी की बहुत थोड़ी मात्रा विलय करने से हाइडोजन और ऑक्सीजन के विखण्डन के समय बहुत अधिक तापमान के साथ उर्जा निकलती है। इस उर्जा का दबाव टर्बाइन को तीव्रतम गति से घुमाने का काम करता है। नतीजतन बिजली उत्पन्न होती है। रिएक्टरों के इस उच्चतम तापमान को एक सेंटीग्रेट तक काबू में रखने के लिए रिएक्टरों पर ठंडे पानी की निरंतर प्रबल धाराएं छोड़ी जाती हैं। हालांकि प्राकृतिक अथवा अन्य आपदा की स्थिति में ये परमाणु संयंत्र अचूक कंप्यूटर प्रणाली से संचालित व नियंत्रित होने के कारण खुद-ब-खुद बंद हो जाते हैं। लेकिन इस अवस्था में विरोधाभासी स्थिति यह होती है कि जल से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का नाभिकीय विखण्डन तो थम जाता है, किंतु रासायनिक प्रक्रियाएं और भौतिक दबाव एकाएक नहीं थमते। गोया, जलधारा का प्रवाह बंद होते ही रिएक्टरों का तापमान 5000 डिग्री सेंटीग्रेट से बढ़कर 10000 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच जाता है। यह तापमान जीव-जंतुओं को तो क्या स्टील जैसी ठोस धातु को भी पल भर में गला देता है। इस लिहाज से इन संयंत्रों के संभावित खतरों को एकाएक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

प्रमोद भार्गव,लेखक/ पत्रकार

लोहड़ी पर्व पर मातृशक्ति का उत्सव, लैंगिक न्याय और सशक्तीकरण का दिया संदेश

देहरादून (उद संवाददाता)। लोक भवन में लोहड़ी पर्व के पावन अवसर पर एक भव्य और उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य की प्रथम महिला गुरमीत कौर ने की। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरमीत कौर ने मातृशक्ति के सशक्तीकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने समाज को लैंगिक न्याय के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं चूल्हा-चौकी की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, खेल और उद्यमिता सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आग्रह किया कि सामाजिक न्याय और लैंगिक न्याय की अवधारणाओं को साकार करने के लिए शिक्षा, कौशल विकास और नेतृत्व के क्षेत्रों में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं की प्रगति से ही एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव और डॉ. प्रांजली थापा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने सांस्कृतिक उल्लास के साथ-साथ महिला सशक्तीकरण के संदेश को प्रभावी रूप से जनमानस तक पहुँचाया।

बेटियों की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है लोहड़ी का त्योहार

लोहड़ी सिर्फ पंजाबियों का त्योहार ही नहीं बल्कि समस्त भारत वासियों का त्योहार है । नई फसल कटने के साथ साथ सुख समृद्धि का प्रतीक भी है पुराने समय में लोहड़ी के त्योहार को मनाने के लिए बड़े बुजुर्ग विराट यज्ञ करके सुर्गोधित हवन सामग्री औषधि युक्त खाद्य पदार्थ तिल जो व सूखे मेवों की आहुतियां डालते थे। तथा बच्चों युवाओं ओ बेटियों को माता पिता वरिष्ठ जनों की सेवा आज्ञा पालन के संस्कार देते थेयह बात मुगल बादशाह अकबर के समय की है। उस दौर में पंजाब में एक विद्रोही योद्धा था, जिसका नाम था 'राय अब्दुल्ला खान भट्टी, जिसे लोग प्यार से 'दुल्ला भट्टी' कहते थे। वह अमीरों को लूटता था और उस धन को गरीबों में बांट देता था। वह उस समय का 'रॉबिन हुड' था। उस दौर में कुछ अमीर सौदागर और मुगल सिपाही हिंदू लड़कियों को जबरदस्ती अगवा करके गुलाम बाजारों में बेचने के लिए ले जाते थे। एक बार दुल्ला भट्टी को पता चला कि दो गरीब अनाथ ब्राह्मण लड़कियां- 'सुंदरी' और 'मुंदरी' को कुछ दुष्ट लोग अगवा करने वाले हैं। दुल्ला भट्टी ने उन जालिमों से लड़ाई की और दोनों बहनों को सुरक्षित बचाया। लेकिन सिर्फ बचाना काफी नहीं था। उनकी शादी करवाना भी जरूरी था ताकि वे सुरक्षित रहें। दुल्ला भट्टी ने जंगल में ही आग जलाई (वही लोहड़ी की आग का प्रतीक है)। चूंकि वहां कन्यादान के लिए कुछ नहीं था, तो दुल्ला भट्टी ने शक्कर (गुड़) देकर उनकी झोली । भरी और खुद पिता बनकर उन दोनों की शादी करवाई।उस दिन पंजाब ने जाना कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर 'इंसानियत' क्या होती है। लोहड़ी का त्यौहार असल में 'बेटियों की सुरक्षा और सम्मान' का प्रतीक है। इस लिए हमें इस त्योहार को बड़ी श्रद्धा भाव से मनाना चाहिए तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है।

-नरेश कुमार सेठ,रूद्रपुर

सूचना

हम आम जनता को सूचित करना चाहेंगे कि आईपी का मूल विलेख दिनांक-27.03.2012, जो कि खसरा संख्या-226 मिन मध्ये, ग्राम- कोलड़ा, तहसील-किच्छा, जिला - उधम सिंह नगर, पर स्थित है। पूर्व:-रास्ता 18 फिट, पश्चिम:-अन्य का प्लाट,उत्तर:-प्लाट नं.-159 पूर्ण व 160 का भाग, दक्षिण:-प्लाट नं0-158 बही नं.-1, जिल्द-909, पृष्ठ संख्या- 109/128, दस्तावेज नं.-2628 पर सब रजिस्ट्रार रुद्रपुर, उधम सिंह नगर पर पंजीकृत। श्रीमती सुमन रानी पुत्री श्री लेखराज के पक्ष में खो गए है और अप्राप्य है। इसके अलावा, पंजाब नेशनल बैंक, शाखा रुद्रपुर, उपरोक्त सम्पति को गिरवी रखने का इरादा रखता है। यदि कोई व्यक्ति इसे पाता है, या संपत्ति में किसी हित या स्वामित्व का दावा करता है, तो इस प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजाब नेशनल बैंक, शाखा रुद्रपुर से संपर्क करने का अनुरोध किया जाता है।

श्रीमती सुमन रानी पुत्री श्री लेखराज
अब्दुला नगर, बर्कनिया, गदरपुर,
उधम सिंह नगर।

आईआईटी रुड़की ने किया उत्तराखण्ड और जर्मनी के ब्रांडेनबुर्ग राज्य सरकार के बीच संयुक्त हस्ताक्षर

देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने उत्तराखण्ड और जर्मनी के ब्रांडेनबुर्ग राज्य सरकार के बीच संयुक्त आशय घोषणा पर हस्ताक्षर के अवसर पर एक प्रमुख पहलकर्ता, सुगमकर्ता तथा शैक्षणिक भूमिका निभाई। यह घोषणा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में संरचित राज्य-स्तरीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संयुक्त आशय घोषणा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, नवाचार और कौशल विकास को सुदृढ़ करने की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है तथा उच्च शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक सहभागिता के प्रति उत्तराखण्ड सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है।दोनों सरकारों, आईआईटी रुड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ पॉट्सडैम और अन्य संबंधित हितधारकों के प्रतिनिधियों से युक्त एक संयुक्त कार्य बल का गठन किया जाएगा, जो प्राथमिक स्तर पर होने वाली पहल की पहचान करेगा। सहयोग के लिए एक रोडमैप विकसित करेगा तथा व्यापक सहयोग हेतु एक औपचारिक समझौता ज्ञापन का प्रस्ताव करेगा।प्रतिनिधि मंडलों में आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधि शामिल थे, जिनका नेतृत्व निदेशक प्रो. के. के. पंत ने किया, साथ ही प्रो. वी. सी. श्रीवास्तव, डीन (अंतरराष्ट्रीय संबंध) तथा एसोसिएट प्रोफेसर श्री अंकित अग्रवाल भी उपस्थित थे। उत्तराखण्ड सरकार की ओर से तकनीकी शिक्षा सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा और वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. त्रिप्ता ठाकुर शामिल थीं, जबकि जर्मन प्रतिनिधिमंडल में ब्रांडेनबुर्ग संघीय राज्य की विज्ञान, अनुसंधान एवं सांस्कृतिक मामलों की मंत्री डॉ. मान्या शुले, यूनिवर्सिटी ऑफ पॉट्सडैम के अध्यक्ष प्रो. ओलिवर ग्यूंथर, ब्रांडेनबुर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी कॉटबस-सेनफ्टेनबर्ग के अंतरराष्ट्रीयकरण के उपाध्यक्ष प्रो. वोल्फ्राम बर्गर तथा ब्रांडेनबुर्ग राज्य के विज्ञान, अनुसंधान एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय से डॉ. वीरा जीगेलडॉर्फ शामिल थीं।उत्तराखण्ड के तकनीकी शिक्षा सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि उत्तराखण्ड और ब्रांडेनबुर्ग के बीच संयुक्त आशय घोषणा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. के. के. पंत ने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह संयुक्त आशय घोषणा उत्तराखण्ड और ब्रांडेनबुर्ग के बीच अनेक नई पहल का मार्ग प्रशस्त करेगी, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आईआईटी रुड़की और यूनिवर्सिटी ऑफ पॉट्सडैम के सहयोग से सशक्त होंगी तथा सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप भारत के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण में नवाचार-आधारित, सतत विकास के माध्यम से योगदान देगी।

पेज एक का शेष...

कोई भी शक्ति हमारी...कोशिश की। उन्होंने याद दिलाया कि जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया, तो उन्हें भी रोकने का प्रयास किया गया। यहां तक कि 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के आगमन पर भी आपत्ति जताई गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब उस हीनभावना से बाहर निकलकर अपनी विरासत पर गर्व कर रहा है। इससे पूर्व, मंदिर की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर योद्धाओं की स्मृति में 108 अश्वों के साथ भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई, जिसमें प्रधानमंत्री स्वयं सहभागी बने। उन्होंने मंदिर में चल रहे 72 घंटों के अनवरत ओंकार नाद और मंत्रोच्चार की सराहना करते हुए कहा कि 1000 विद्यार्थियों द्वारा सोमनाथ की गाथा का प्रदर्शन मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पर्व केवल 1000 साल पहले हुए विध्वंस के स्मरण का नहीं है, बल्कि यह भारत के अस्तित्व और पुनरुत्थान का उत्सव है। उन्होंने दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालुओं को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोमनाथ की ध्वजा आज पूरी सृष्टि को भारत के सामर्थ्य का परिचय दे रही है।

न्याय के लिए गांधी पार्क....8 एकड़ भूमि को निगम प्रशासन द्वारा अपने कब्जे में लिए जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यहां पिछले कई दशकों से मुस्लिम समाज के लोग नमाज अता करते आ रहे हैं। अब पर्याप्त स्थान न होने के कारण नमाज अता करने में परेशानियां आयेंगी। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के संघर्ष से लेकर आज तक देश के विकास में मुस्लिम समाज का भी हमेशा योगदान रहा है। उन्हें इस सुविधा से वंचित न किया जाये। कार्यक्रम को अनेक वक्ताओं ने सम्बोधित किया। इस दौरान लोगों द्वारा कौमी एकता व अंकिता को न्याय दिलाने के लिए निरंतर नारेबाजी भी की जाती रही। कार्यक्रम को पार्षद परवेज कुरैशी, रिजवान, अश्फाक अहमद, इरशाद अहमद, शिवदेव सिंह, मुकुल, कैलाश भट्ट, वाहिद मियां, उमर अली, नूर अहमद, साजिद खान, मानवाधिकार संगठन के अमरजीत सिंह, गायत्री परिवार के उपेन्द्र राय, छात्रसंघ के चेतन भट्ट, मजहर रिजवी आदि वक्ताओं ने सम्बोधित किया। इस दौरान डा. शाहिद रजा, अजीज खान, रणजीत राणा, सद्दाम हुसैन अंसारी, मजहर रिजवी, सुरेन्द्र सिंह, जयदेव चन्द, सलीम अहमद, अख्तर अली, दिनेश कुमार, सुनीता, अनीसा बेगम, सुनहरा, मुन्नी, अफसना, यासमीन, भूरी, शमीम बेगम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। आयोजन स्थल के आस पास भारी संख्या में पुलिस बल भी मुस्तैद दिखाई दिया।

अंकिता भंडारी हत्याकांड...गढ़वाली मार्ग और अपर बाजार सहित सभी प्रमुख बाजार बंद रहे। सामाजिक संगठनों और व्यापारियों ने एक सुर में अंकिता के परिजनों की मांग का समर्थन किया। वहीं, नई टिहरी में भू-भूम्याल जागृति मंच के नेतृत्व में आंदोलनकारियों ने हनुमान चौक से बौराड़ी बाजार तक जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। रुड़की में बंद को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में जुलूस निकाला और दोपहर में सरकार का पुतला फूंका। हालांकि, प्रशासन कुछ संगठनों को बंद न करने के लिए मनाने में सफल रहा। दूसरी ओर, ऋषिकेश में उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने बंद का विरोध किया। महामंत्री प्रतीक कालिया ने कहा कि जब मुख्यमंत्री ने परिजनों की सीबीआई जांच की मांग स्वीकार कर ली है, तो बंद का कोई औचित्य नहीं है। गणेश गोदियाल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने इस बंद को राज्य की अस्मिता से जोड़ते हुए जनता से समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक वीआईपी का नाम उजागर नहीं हो जाता। वहीं, महिला मंच की संयोजक कमला पंत और मूल निवास भू-कानून संघर्ष समिति के मोहित डिमरी ने स्पष्ट किया कि उन्हें केवल सीबीआई जांच नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली जांच चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। बंद को देखते हुए प्रदेश के संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी नरेंद्र पंत ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसान ने होटल में ...सुखवंत ने बताया कि वह काशीपुर के पैगा गांव का निवासी है और उसे अमरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, आशीष और जाहिर हुसैन सहित अन्य लोगों ने बक्सौरा गांव में 7 एकड़ जमीन दिखाई थी। आरोप है कि जालसाजों ने पैसे लेने के बाद उसे किसी दूसरी जमीन की रजिस्ट्री थमा दी। वायरल वीडियो में सुखवंत ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने इस धोखाधड़ी की शिकायत उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से भी की थी, लेकिन पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। न्याय न मिलने और आर्थिक नुकसान के कारण वह टूट चुका था। घटना के बाद मृतक के पिता ने पुलिस को तहरीर सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गयी है। पुलिस अब इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि सुखवंत के पास अवैध असलहा कहां से आया और वायरल वीडियो में नामजद आरोपियों की इस मौत में क्या भूमिका है।

लाखों की अफीम...बरेली बताया। तलाशी लेने पर उसकी जैकेट के अंदर से दो पारदर्शी पन्नियों में छिपाकर रखा गया एक किलो 62 ग्राम अफीम (पन्नी सहित) बरामद हुआ। पन्नी का वजन घटाने पर शुद्ध अफीम का वजन एक किलो 32 ग्राम पाया गया। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह यह अफीम बरेली से लाया है, हालांकि वह मुख्य सप्लायर के नाम का खुलासा नहीं कर सका। पुलिस ने मौके पर ही ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से वीडियोग्राफी कर बरामद माल को सील किया। पुलिस ने अभियुक्त विनीत आर्या को धारा 8/18/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक जीवन सिंह अधिकारी के साथ कांस्टेबल महेंद्र कुमार, पूरन राम और एएनटीएफ की टीम शामिल रही। पुलिस अब इस मामले में आगे की कड़ियां जोड़ रही है ताकि बरेली से चल रहे इस नशा तस्करी के नेटवर्क का पूरी तरह पर्दाफाश किया जा सके।

मनरेगा का नाम ....किया गया था। लेकिन अब केंद्र की भाजपा सरकार ने बदले की भावना के तहत मनरेगा का नाम बदल दिया है। जिससे प्रतीत होता है कि वह देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान करना चाहती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार गरीबों के हितों के साथ कुठाराघात कर रही है और सिर्फ नाम बदलने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब भली भांति समझ चुकी है कि भाजपा सरकार आम जनता के साथ न्याय नहीं कर सकती और अपने स्वार्थ के लिए महापुरुषों का अपमान कर रही है। इस दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ अजय सिंह, अनिल शर्मा, इंद्रजीत सिंह, सतीश कुमार, सीपी शर्मा, सरोज रानी, उमा सरकार, कुंवरपाल कोली, मोहन भारद्वाज, राजेंद्र गुप्ता, रविंद्र गुप्ता, कमल चुघ, मनोज पालीवाल , नवीन खेतवाल, जयदेव सिंह , प्रकाश शर्मा, रामस्वरूप भारती, सोनू समेत तमाम कांग्रेसी मौजूद थे।

जनप्रतिनिधि के पुत्र और...का बाजार गर्म है। दिनेशपुर पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तहरीर मिलते ही आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, घायल युवक का इलाज हल्द्वानी में जारी है, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की बात कह रही है ताकि हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। अब यह देखना होगा कि सत्ता की धमक के बीच पुलिस दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाती है।

अधिकांश हिस्सों में बंद रहा...इलाकों में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इस दौरान स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बंद की प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े किए। लोगों का तर्क था कि आंदोलनकारियों की मुख्य मांग मामले की जांच सीबीआई से कराने की थी। चूंकि मुख्यमंत्री पहले ही इस प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की आधिकारिक घोषणा कर चुके हैं, इसलिए बंद का कोई तार्किक आधार नहीं रह गया था। आम चर्चा रही कि सरकार द्वारा मांग मान लिए जाने के बाद आयोजकों को इस बंद को तत्काल रद्द कर देना चाहिए था। बिना ठोस कारण के बार-बार बंद के आह्वान से जनता को होने वाली असुविधा पर भी लोगों ने नाराजगी जताई।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

19 वीं राष्ट्रीय सर्कल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

पुरूष वर्ग में दिल्ली और महिला वर्ग में उत्तराखंड टीम रही विजयी

बाजपुर। कबड्डी एसोसिएशन की ओर से 19 वीं राष्ट्रीय सर्कल स्टाइल कबड्डी तीन दिनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पहला कबड्डी मैच दिल्ली और बिहार टीम के बीच खेला गया। जिसमें दिल्ली टीम विजेता और बिहार की टीम उप विजेता रही। पहले दिन चार मैच खेले गए। शनिवार को नगर के भौना बिराहा मार्ग स्थित एक मैदान में आयोजित 19 वीं राष्ट्रीय सर्कल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि राज्य गन्ना सलाहकार समिति के सह अध्यक्ष मंजीत सिंह राजू, एशियन कबड्डी एसोसिएशन चेयरमैन गुलाब सिंह सैनी और गुरुद्वारा नानकसर ठाठ के बाबा प्रताप सिंह, गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम संयोजक एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मेजर सिंह और उनकी टीम ने अतिथियों को स्वागत किया। संचालन किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने किया। मुख्य अतिथि के खिलाड़ियों का परिचय के बाद पहला कबड्डी मैच पुरूष वर्ग में दिल्ली और बिहार के बीच रोचक रहा। जिसमें दिल्ली को 60 और बिहार टीम को 28 अंक मिले। 32 अंक से दिल्ली टीम विजयी रही। दूसरा मैच महिला वर्ग उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बीच कड़ा मुकाबला रहा। जिसमें उत्तराखंड टीम को 32 अंक और यूपी टीम को 29 अंक प्राप्त कर पाई। उत्तराखंड टीम तीन अंक से विजयी रही। तीसरे मैच कर्नाटक और झारखंड टीमों के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें कर्नाटक को 40 अंक, झारखंड टीम को मात्र नौ अंक मिले। 31 अंक से कर्नाटक टीम विजयी घोषित की गई। चौथा मैच चंडीगढ़ और राजस्थान टीमों के बीच खेला गया। जिसमें चंडीगढ़ को 33 और राजस्थान टीम को 26 अंक प्राप्त हुए। सात अंक से चंडीगढ़ टीम विजयी घोषित की गई। रेफरी के रूप में बबीता रावत, मनोज नेगी, सविता, नागेंद्र कुमार, रोहित चौधरी, विप्लव कुमार रहे। वहां उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएश्न अध्यक्ष महेश जोशी, सचिव चेतन जोशी, एशियन कबड्डी एसोसिएशन सचिव कुलदीप सिंह दलाल, बिहार प्रदेशाध्यक्ष विपिन कुमार, उमा जोशी, टिंकू यादव, गुरप्रीत सिंह, दलजीत सिंह, गोल्डी सूरी, हरवीर सिंह, कोशलेंद प्रताप सिंह, जावेद वारसी आदि मौजूद थे।

कबड्डी को ओलंपिक में मिले दर्जा

बाजपुर। एशियन कबड्डी एसोसिएशन चेयरमैन गुलाब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा और पंजाब की तरह उत्तराखंड में कबड्डी का परचम लहराया जाना चाहिए। उत्तराखंड में भी डबल इंजन की सरकार है। कबड्डी को ओलंपिक में शामिल करने के लिए कोशिश की जा रही है। कहा कि कबड्डी हमारी संस्कृतिक का भी हिस्सा है। इस प्रतियोगिता में विजेता रहने वाली टीम एशियन स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए कबड्डी सहित अन्य खेलकूदों को बढ़ा दिया जाना चाहिए। कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है। युवा इसे मेहनत से खिलाड़ी भूमि बनाने में जुटे।

कथावाचक पर हमले के आरोपियों को पकड़ने की मांग

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। बैकुंठपुर निवासी प्रसिद्ध कथावाचक और धर्मगुरु रामचंद्र राय पर हुए जानलेवा हमले को पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस हमलावरों का सुराग नहीं लगा सकी है। पुलिस की सुस्ती से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। हालांकि, पुलिस ने दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज करने का दावा किया है।घटना के संबंध में पीड़ित रामचंद्र राय ने बताया कि मंगलवार शाम वह गोविंद नगर रोड पर टहल रहे थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे दो अज्ञात बदमाशों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने उन पर फायर भी झोंका, लेकिन सौभाग्यवश गोली नहीं चली और उनकी जान बच गई। इसके बाद हमलावरों ने उनका गला दबाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की। रामचंद्र राय के शोर मचाने पर जब आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, तो हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।हैरानी की बात यह है कि धर्मगुरु पर हमले का यह कोई पहला मामला नहीं है। पीड़ित के अनुसार, इससे पहले भी सिरसा रोड और सिडकुल रोड पर दो बार उन पर हमला करने का प्रयास किया जा चुका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी बीएस धौनी ने बताया कि दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की जा रही है। शनिवार को सिडकुल चौकी प्रभारी जगत सिंह शाही ने पीड़ित कथावाचक का दोबारा बयान दर्ज किया। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और धर्मगुरु को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

युवक पर धारदार हथियार से हमला,गंभीर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के ठाकुर नगर में आपसी रंजिश के चलते दबंगों ने एक युवक को घेरकर उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित के पिता ने मुख्य आरोपी सहित उसके साथियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। विवेक नगर निवासी जगदीश शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र प्रिंस 8 जनवरी की रात करीब 9 बजे संजय नगर में किसी व्यक्ति को पैसे देने जा रहा था। जैसे ही वह ठाकुर नगर पहुंचा, वहां पहले से घात लगाकर बैठे राजा कॉलोनी निवासी अनुराग उर्फ पडडा, सुमित और उनके अन्य साथियों ने प्रिंस को रोक लिया। आरोपियों ने पहले प्रिंस के साथ गाली-गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच अनुराग ने जान से मारने की नियत से प्रिंस के सिर पर किसी धारदार वस्तु से जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे अंशु गुप्ता और अन्य स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर प्रिंस को बचाया। इस दौरान आरोपी प्रिंस को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल प्रिंस को रात में ही जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया। 10 जनवरी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पीड़ित के पिता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। उन्होंने बताया कि पुत्र के उपचार में व्यस्त होने के कारण वह रिपोर्ट दर्ज कराने में विलंब कर बैठे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा के कार्यक्रम में उमड़े लोग, विकास कार्यों की घोषणा

राजनगर फैक्ट्री का विरोध करने वालों को मंत्री ने घेरा

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। गुरुग्राम में आयोजित कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के कार्यक्रम में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और बुजुर्गों ने शक्तिफार्म क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को देख गदगद हुए मंत्री बहुगुणा ने लोगों से विपक्ष के भ्रामक प्रचार से सावधान रहने की अपील की।बैठक के दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चौहद्दी की समस्या और चाइना धान पर लगी रोक हटाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री ने विद्यालय परिसर में मिट्टी भरान और बच्चों के आवागमन के लिए टाइल्स रोड निर्माण की मांग मंत्री के समक्ष रखी। जनसभा को संबोधित करते हुए सौरभ बहुगुणा ने कहा कि राजनगर में स्थापित हो रही फैक्ट्री का कुछ लोग साजिश के तहत विरोध कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे तत्व शक्तिफार्म का विकास नहीं चाहते और स्थानीय युवाओं के रोजगार की राह में रोड़ा अटका रहे हैं।मंत्री ने जनता की मांगों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए गुरुग्राम में टाइल्स रोड निर्माण और आगामी मानसून से पहले विद्यालय परिसर में मिट्टी भरान कार्य कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री आवास योजना की विसंगतियों पर उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की योजना है और यह समस्या पूरे प्रदेश में व्याप्त है, फिर भी वे मुख्यमंत्री से वार्ता कर इसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। चाइना धान के मुद्दे पर मंत्री ने भरोसा दिलाया कि वे जिलाधिकारी से वार्ता कर ऐसी दलदली जमीनों पर खेती की अनुमति दिलाने का प्रयास करेंगे जहां अन्य फसलें उगाना संभव नहीं है।कार्यक्रम का संचालन अमित बैरागी ने किया। इस अवसर पर दिलीप मिस्त्री, निखिल हालदार, वासुदेव मांझी, बंतू मंडल, समर भक्त, सुभाष गोलदार, अमित हालदार, विश्वजीत, बीडीसी सदस्य लक्ष्मी मंडल, पूर्व प्रधान शेफाली मंडल, दीपक सरकार, प्राण बढ़ई, दीपक हालदार, पूजा साना, कविता साना, दीपक कर, रितेश, मनोज मंडल, कालीपद, सूरज, राजा, विभूति, राम, राजीव, मनोज खान, असित, शिव राय, गोपाल, तुषार, सुदीप और दीपचंद सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।